21 जनवरी बाद नहरबंदी के हालात, किसान चिंतित

- वरीयता निर्धारण बैठक में बीकानेर के किसानों ने पानी मांगा
- किसानों द्वारा फसल बर्बाद होने की आशंका जताने पर 21 जनवरी तक चार में से दो बारी पानी देने का निर्णय लिया गया

बीकानेर, (कासं)। इंदिरा गांधी नहर परियोजना में आगामी महीनों के लिए पानी की उपलब्धता और वितरण को लेकर वरीयता तय कर दी गई है।

वरीयता निर्धारण बैठक में यह निर्णय लिया गया कि 4 जनवरी से 21 जनवरी 2026 तक नहर को चार भागों में बांटकर किसानों को दो बारी पानी दिया जायेगा। इसके बाद 21 जनवरी 2026 से 13 मार्च 2026 तक तीन में से केवल एक बारी पानी उपलब्ध कराया जायेगा। बैठक में यह भी साफ संकेत दिए गए कि 21 जनवरी के बाद जल संकट और गहराने की संभावना है। ऐसे में किसान सीमित पानी में ही फसल बचाने के उपाय करें। विभाग ने जल प्रबंधन को लेकर लगातार समीक्षा और आवश्यकतानुसार निर्णय लेने की बात कही है। आगे नहरबंदी की स्थिति भी आ सकती है।

बैठक में किसानों की मांगों और उपलब्ध जल की स्थिति पर चर्चा के बाद यह स्पष्ट किया गया कि पानी की मात्रा सीमित है। जनप्रतिनिधियों ने किसानों को चार भागों में नहर को विभाजित कर नियमित रूप से दो बारी पानी देने की मांग रखी। लेकिन विभागीय अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में इतना पानी उपलब्ध नहीं है। किसानों द्वारा फसल बर्बाद होने की आशंका जताने पर 21 जनवरी तक चार में दो बारी पानी देने का निर्णय लिया गया।

वरीयता निर्धारण बैठक में जनप्रतिनिधियों ने यह मुद्दा भी उठाया कि 21 सितम्बर के बाद करीब 3 लाख 73 हजार क्यूसेक पानी पाकिस्तान की ओर छोड़ा गया। जनप्रतिनिधियों का कहना था कि यदि यह पानी पाकिस्तान नहीं छोड़ा जाता तो पश्चिमी राजस्थान के किसानों को मौजूदा जल संकट का सामना नहीं करना पड़ता। इस पर विभागीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बांधों की सुरक्षा, बाढ़ के पानी की सुरक्षित निकासी और डाउन स्ट्रीम क्षेत्रों में बाढ़ के खतरे को देखते हुए भाखड़ा व्यास प्रबंधन बोर्ड और केन्द्रीय जल आयोग द्वारा तय नियमों के तहत ही पाकिस्तान की ओर पानी छोड़ना पड़ा। इंदिरा गांधी नहर विभाग ने आश्वासन दिया कि पाकिस्तान को छोड़े जाने वाले पानी का मुद्दा बीबीएमबी के समक्ष पहले भी उठाया जाता रहा है और आगे भी उठाया जाता रहेगा।

रायसिंहनगर विधायक सोहनलाल नायक ने जलदाय विभाग के अधिकारियों से बातचीत कर पेयजल में कटौती कर किसानों को अधिक पानी देने का सुझाव रखा। पेयजल की आवश्यकता आमजन और पशुओं दोनों को होती है। इसलिए इसमें किसी प्रकार की कटौती संभव नहीं है। राजस्थान के हिस्से का जो पानी पाकिस्तान की ओर जाता है, वह मुख्य रूप से पंजाब में हरिके बैराज से निकलता है। जब नहरों की क्षमता से ज्यादा पानी आता है या नहरें पूरी तरह भरी होती है, तो यह अतिरिक्त पानी हुसैनीवाला हैड से सतलज नदी के रास्ते पाकिस्तान चला जाता है, जिससे राजस्थान के किसानों को कम पानी मिलता है।

कुत्ते ने 15 बकरियों के बच्चों को मारा

बीकानेर, (कासं)। जिले के पूगल क्षेत्र में एक आवारा कुत्ते ने 15 भेड़-बकरियों के बच्चों को मार डाला। पशुओं को बचाने पहुंचे 9 साल बच्चे को भी घायल कर दिया।

यह घटना पूगल के गांव डेली तलाई स्थित चक 8 एलएम की है। रात के समय एक किसान परिवार के घर बने भेड़-बकरियों के बाड़े में आवारा कुत्ता घुस गया और अचानक हमला कर दिया। कुत्ते के हमले में 15 भेड़-बकरियों के बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। अचानक हुए इस हमले से किसान परिवार को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। पूगल क्षेत्र में एक बकरी की कीमत आमतौर पर दो से ढाई हजार रूपये तक बताई जाती है।

हमले के दौरान भेड़-बकरियों को बचाने के लिए जब 9 साल का बच्चा बाड़े की ओर पहुंचा तो कुत्ते ने उस पर भी हमला कर दिया। कुत्ते के काटने से बच्चा घायल हो गया, जिसे तुरंत पूगल अस्पताल ले जाया गया जहां उसका इलाज जारी है। इस घटना में चरवाहे आशुराम मेघवाल को भारी नुकसान हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि हाल ही में बकरियों ने बच्चों को जन्म दिया था, जिन्हें सुरक्षित रखने के लिए बाड़े में रखा गया था। घटना के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन से उचित मुआवजे की मांग की है। घटना के बाद पूरे इलाके में आवारा कुत्ते को लेकर दहशत का माहौल है।

फर कटिंग से दिया अरावली बचाने का संदेश

- ऊंट पर पर्यावरण बचाओ, अरावली बचाओ जैसे संदेशों के साथ अमृता देवी का चित्र उकेरा गया जो प्रकृति रक्षा के लिए बलिदान की प्रतीक है

बीकानेर, (कासं)। रेत के समंदर और ऊंटों की धरती बीकानेर में जब ऊंट उत्सव की तैयारियां शुरू होती है, तब अकासर गांव का नाम एक खास वजह से चर्चा में आता है। वजह है उस्ता कला के प्रतिष्ठित कलाकार रामलाल कूंकणा, जो ऊंट की फर कटिंग के जरिए न केवल अद्भुत कलाकृतियां रचते हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण का सशक्त संदेश भी देते हैं।

इस बार उनके ऊंट पर पर्यावरण बचाओ, अरावली बचाओ जैसे संदेशों के साथ अमृता देवी का चित्र उकेरा गया है, जो प्रकृति रक्षा के लिए बलिदान की प्रतीक हैं। रामलाल कूंकणा बीकानेर जिले के अकासर गांव के निवासी हैं और ऊंट की खाल पर बारीक नक्काशी व सुनहरी मुनब्बतकारी में माहिर कलाकार है। परंपरागत रूप से उस्ता कला बीकानेर के उस्ता परिवारों की विरासत रही है, लेकिन रामलाल कूंकणा जैसे कलाकारों ने इस कला को परिवार की सीमाओं से निकालकर गांव-गांव और देश-दुनियां तक पहुंचाया। उनकी कला की बारीकी और समर्पण का ही परिणाम है कि उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। उनकी बनाई कलाकृतियां न केवल देश में बल्कि विदेशों में भी सराही जाती है। ऊंट बना कैनवास, कला बनी आवाज बीकानेर जिले में हाल के वर्षों में खेजड़ी कटाई की खबरों से चिंतित रामलाल कूंकणा ने अपनी कला को विरोध और जागरूकता का माध्यम बनाया है। वे कहते हैं मेरा काम लोगों को सचेत करना है कि खेजड़ी न काटें। अब इसे लोग कितना मानते हैं, यह उनके विवेक पर है।

इस सोच के साथ इस वर्ष उन्होंने ऊंट की फर कटिंग के दौरान पर्यावरण बचाओ और अरावली बचाओ का संदेश दिया है। ऊंट की देह पर उगे बालों को काटकर चित्र और शब्द उकेरना आसान नहीं होता। एक ऊंट की फर कटिंग में उन्हें 15 दिन से लेकर एक माह तक का समय लगता है। यह अत्यंत धैर्य, मेहनत और अनुभव का काम है। ऊंट उत्सव से एक माह पहले शुरू होती है साधना। करीब 70 वर्ष की उम्र में भी रामलाल का उत्साह युवाओं जैसा है। वे वर्ष 2018 से लगातार स्वयं फर कटिंग का कार्य कर रहे हैं।

सार-समाचार

पुजारी बाबा का किया सम्मान

विप्र महासभा ने 151 मंदिरों में पोषबड़ा अनुष्ठान के पुजारी बाबा का सम्मान किया।

बीकानेर, (कासं) सनातन के जयकारे के साथ 43 वें पूजन अनुष्ठान के अंतर्गत रविवार को गायत्री मंदिर लालीबाई पार्क के पास नत्थूसर गेट के बाहर बीकानेर सहित 151 मंदिरों में पोष बड़ा अनुष्ठान के पुजारी बाबा का सम्मान का विशेष अनुष्ठान किया गया। पूजन अनुष्ठान में सभी 151 मंदिरों के पुजारियों को मंदिर में ही अभिनंदन पत्र भेंट कर आध्यात्म सेवा एव आदर्श दंपत्ति सम्मान से सम्मानित किया गया। 43 वें पूजन अनुष्ठान के दिव्य व विशेष अनुष्ठान के अंतर्गत जनवरी मास का मुख्य अनुष्ठान हुआ। भारतीय संस्कृति एव सनातन सार्वभौम महासभा व श्री विप्र महासभा द्वारा एक साथ विभिन्न मंदिरों में पोषबड़ा महोत्सव का 43 वें पूजन अनुष्ठान के अंतर्गत हो रहे दिव्य व विशेष अनुष्ठान 43 वें पूजन अनुष्ठान के साधक पं योगेन्द्र कुमार दाधीच (राष्ट्रीय अध्यक्ष भारतीय संस्कृति एवं सनातन सार्वभौम महासभा ,राष्ट्रीय संयोजक श्री विप्र महासभा राष्ट्रीय महामंत्री ब्राह्मण अंतरराष्ट्रीय संगठन) की अगुवाई में वर्ष पर्यन्त के दिव्य व विशेष अनुष्ठान के अंतर्गत लगातार जारी है। पोष बड़ा महोत्सव के दिव्य व विशेष अनुष्ठान क्रमवार निर्धारित मंदिर में लगातार हो रहे हे पोष मास के जनवरी मास का मुख्य अनुष्ठान को बीकानेर के नत्थूसर गेट के बाहर लाली बाई पार्क के पास स्थित श्री गायत्री मंदिर में आध्यात्मिक युग पुरूष पं जुगल किशोर ओझा पुजारी बाबाजी के सानिध्य में तथा पूजन अनुष्ठान के साधक प योगेन्द्र कुमार दाधीच की मंगल व पावन उपस्थिति में प्रात 11.00 बजे से शुरू हुआ। जिसमें रामकुमार हर्ष, उमाशंकर बहड़, आनंद पनिया, गोपाल छनगानी, गिरिराज बिस्सा, प्रकाश आचार्य, चक्षु हर्ष, जय आचार्य, यमुनेश हर्ष, गिरिराज व्यास, शंकरलाल जोशी, प्रवीण दाधीच, महावीर स्वामी, अनिरूद्ध बिस्सा, उमशंकर, ममता शर्मा आदि सहित बड़ी संख्या में स्त्री पुरूष उपस्थित थे।

सहायता पाकर चेहरे खिले

भामाशाहों ने धूमावती माताओं को 1500 रुपये की वित्तीय सहायता बांटी।

बीकानेर, (कासं)। वर्तमान में इस भाग दौड़ भरे जीवन में एक व्यक्ति जहां खुद अपने परिवार के जीविकोपार्जन में उलझा रहता है। वहीं दूसरी और श्री जी धूमावती चेरिटेबल ट्रस्ट गरीबी रेखा से नीचे व विधवा माताओं को इस बदलते परिवेश में वित्तीय सेवा उपलब्ध करवाकर माताओं को अपने निजी खर्चे खुद वहन करने का आत्मविश्वास दिला रहा है जो कि निश्चय ही सराहनीय कदम है। यह भाव धरणीधर महादेव मन्दिर परिसर में धूमावती माताओं हेतु आयोजित त्रेमासिक वित्तीय सेवा समारोह में राजूवास कुलपति पंकज शर्मा ने कहे। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज प्रधानाचार्य डॉ सुरेंद्र वर्मा ने बताया कि वास्तव में बीकानेर छोटी काशी ही है यहां हर व्यक्ति किसी ना किसी प्रकल्प से नर सेवा नारायण सेवा से जुड़ा हुआ है । ट्रस्ट द्वारा किया जा रहा यह सेवा प्रकल्प इन माताओं के चेहरे पर मुस्कान लाने में निश्चय ही सफल रहा है। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्था के स्वामी सुखदेवानंद एवं प्रेमप्रकाशानंद ने बताया कि आज यह देखकर साक्षात प्रतीत होता है कि ट्रस्ट सीधे परमात्मा को खुश करने का कार्य कर रहा है। इस अनूठे प्रकल्प का साक्षी बनना मेरे लिए सौभाग्य का क्षण है और माताओं के चेहरे की मुस्कान साक्षात इश्वर के मुस्कान के समान है। ट्रस्ट अध्यक्ष द्वारकाप्रसाद पचीसिया ने बताया कि पंडित घनश्याम आचार्य के मार्गदर्शन में ट्रस्ट द्वारा 100 धूमावती माताओं को 1500 रुपये की त्रैमासिक वित्तीय सेवा व भामाशाह द्वारा शीतकालीन मौसम देखते हुए माताओं के लिए मैथी के लड्डू भेंट किये गए। इस अवसर पर साध्वी गोपिका भारती, साध्वी सुहासिनी भारती, डॉ नवरंग लाल महावर, वीरेंद्र किराडू, भंवरलाल चांडक, डॉ जितेंद्र आचार्य, कन्हैयालाल आचार्य, एडवोकेट जयदेव आचार्य, मोतीलाल गहलोत, दाऊलाल खुड़िया, राधेश्याम पंचारिया, सेवाराम सोनी,योगेश पंचारिया आदि उपस्थित हुए।

सावित्री बाई फुले की जयंती मनाई

नोखा, (कासं)। नोखा स्थित त्रिलोक आश्रम के बुद्धा मेडिटेशन सेंटर में बौद्ध समाज ने भारत की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्री बाई फुले की जयंती मनाई। कार्यक्रम का शुभारंभ सावित्री बाई फुले की प्रतिमा पर कैण्डल जलाकर और पुष्प अर्पित कर किया। इसके बाद बुद्ध वंदना की गई। हनुमानगढ़ से आए भन्ते धम्मसागर ने अपनी धम्म देशना में बताया कि माता सावित्री बाई फुले ने शिक्षा और समाज सुधार के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया था। कार्यक्रम में उपासिका बुद्ध प्रिया बौद्ध, धम्म प्रिया बौद्ध, शारदा, ललिता, सुरभि गौतम, सुमन, सेना सहित उपासक डॉ. बी.आर. बौद्ध, हंसराज बौद्ध, किसानलाल, आनंद बौद्ध, विपिन गौतम, नेनूराम, भिखाराम, प्रकाश, पन्नालाल, सुरेश, धम्मशील मौजूद थे।

एसएसबी में अब 24 घंटे एमआरआई और सीटी स्कैन

- विशेषज्ञ डॉक्टरों की ओपीडी सप्ताह में तीन दिन रहेगी
- एसएसबी में करीब 12 करोड़ की लागत से स्टॉक यूनिट की स्थापना कर न्यूरो कैथ लैब लगाई जायेगी

बीकानेर, (कासं)। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज से संबद्ध सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक (एसएसबी) में अब एमआरआई और सीटी स्कैन की सुविधा 24 घंटे रहेगी। सभी विभागों की ओपीडी भी अब सातों दिन रहेगी। एसएसबी में करीब 12 करोड़ की लागत से स्टॉक यूनिट की स्थापना कर न्यूरो कैथ लैब लगाई जायेगी ताकि लकवा मरीजों को तत्काल राहत मिल सके।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने एसएसबी की समीक्षा बैठक के बाद यह निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रेस काफ्रेंस में बताया कि एसएसबी में बैठने वाले विशेषज्ञ डॉक्टरों की ओपीडी सप्ताह में तीन दिन रहेगी। एंडोक्राइनोलॉजी विभाग में विशेषज्ञ डॉक्टर को छह दिन ओर गेस्ट्रो और न्यूरो में भी विशेषज्ञ डॉक्टर्स 3-3 दिन ओपीडी की सेवाएं देंगे। पहले दो दिन ही बैठते थे विशेषज्ञ। एसएसबी में विभिन्न विशेषज्ञ डॉक्टर्स यथा प्लास्टिक सर्जरी, गैस्ट्रो सर्जरी इत्यादि सेवाओं की जानकारी देने के लिए बड़े बोर्ड लगेंगे, जिन पर डॉक्टरों के फोन नंबर भी होंगे। ड्रेस कोर्ड को सख्ती से लागू किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि एसएसबी में सुधार और बेहतर प्रबंधन को लेकर सभी विभागाध्यक्षों से 5-5 सुझाव मांगे गए हैं। पीबीएम में दवाओं के ठेकों में ब्लैक लिस्टेड फर्मों को ऑथोराइजेशन देने के सवाल पर गोदारा ने डॉ. घीया को चैक करने के निर्देश दिए। इस दौरान एसपीएमसी प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र कुमार वर्मा, पीबीएम अस्पताल अधीक्षक डॉ. बी.सी. घीया तथा एसएसबी अधीक्षक डॉ. संजीव बुरी उपस्थित रहे।

कैबिनेट मंत्री सुमित गोदारा का सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक में डॉक्टरों की मीटिंग लेने के पीछे बड़ा कारण छिपा है। दरअसल 19 दिसम्बर को एसएसबी की मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी की बैठक संभागीय आयुक्त विश्राम मीणा की अध्यक्षता में हुई थी। उस बैठक में पूर्व मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला समस्याओं का ज्ञापन देने पहुंचे। तब संभागीय आयुक्त ने पीबीएम अधीक्षक डॉ. बी.सी. घीया को कमजोर कड़ी बता दिया। यह बात चिकित्सा समुदाय को चुभ गई। मामला मंत्री सुमित गोदारा तक पहुंचा। उसका असर शनिवार को नजर आया।

मंत्री ने पीबीएम अधीक्षक डॉ. घीया का मान बढ़ाते हुए कहा कि कमिश्नर को बिना सोचे, बिना किसी तथ्य के ऐसे बोलने का कोई अधिकार नहीं है। कमिश्नर वो आदमी है, जो सरकार के ऑर्डर फॉलो करता है। उन्होंने गलत बोला। मीटिंग में एसएसबी अधीक्षक सहित गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट, न्यूरोलॉजिस्ट, एंडोक्रइनोलॉजिस्ट और रेडियोलॉजिस्ट निशाने पर रहे।

पूर्व सीएमएचओ डॉ.राजेश गुप्ता को दी श्रद्धांजलि

बीकानेर, (कासं)। जिला शिशु एवं प्रजनन अधिकारी और पूर्व सीएमएचओ डॉ. राजेश कुमार गुप्ता के आकस्मिक निधन पर राजकीय फोर्ट डिस्पेंसरी के स्टॉफ ने श्रदांजलि सभा आयोजित की।

इस अवसर पर डॉ. देवानंद खरोलिया ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ. राजेश कुमार गुप्ता एक अत्यंत मिलनसार, कर्तव्यनिष्ठ एवं संवेदनशील अधिकारी थे। उन्होंने कोरोना काल जैसे कठिन समय में बीकानेर संभाग में उत्कृष्ट टीकाकरण अभियान का सफल संचालन किया।

समाजसेवी रामदयाल राजपुरोहित ने कहा कि डॉ. गुप्ता का जीवन सेवा, समर्पण की मिसाल रहा है। उनका निधन स्वास्थ्य विभाग ही नहीं बल्कि पूरे समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। श्रद्धांजलि सभा में फोर्ट डिस्पेंसरी के स्टाफ नर्सिंग ऑफिसर अमित देवड़ा, भरत मारू, बरकत अली कोहरी, रिडमलराम, किरण सैनी, रेनू गुप्ता, गीता, नीलम, चंदा मौजूद थे। दो मिनट का मौन रख दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को यह दुख सहन करने की भगवान से कामना की।

नोखा में कड़ाके की ठंड और घना कोहरा

- दृश्यता कम होने से सड़क यातायात बाधित हुआ और वाहन चालकों को हैडलाइट जलाकर धीमी गति से चलना पड़ रहा है
- किसानों ने कोहरे को फसलों के लिए लाभदायक बताया

नोखा, (कासं)। नोखा उपखण्ड क्षेत्र में रविवार सुबह से घना कोहरा छाया रहा। इसके कारण लोगों की सुबह की दिनचर्या प्रभावित हुई। दृश्यता कम होने से सड़क यातायात बाधित हुआ और वाहन चालकों को सावधानी बरतनी पड़ी। कई वाहन हैडलाइट जलाकर धीमी गति से चलते देखे गए।

स्थानीय निवासियों ने बताया कि सुबह के समय घने कोहरे और बढ़ती ठंड के कारण घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। दैनिक कामकाज पर निकलने वाले लोग और सुबह की सैर करने वाले सभी इस मौसम से प्रभावित हुए हैं। कड़ाके की ठंड की वजह से सुबह-सुबह कामकाज पर जाने वाले लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है।

मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक हल्की बारिश और सुबह कोहरा छाए रहने की संभावना जताई है। विभाग ने वाहन चालकों को कोहरे के दौरान अतिरिक्त सावधानी बरतने और अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है। स्थानीय किसानों ने इस कोहरे को फसलों के लिए लाभदायक बताया है। उनका कहना है कि इस सीजन में पहले भी एक बार कोहरा पड़ा था, जिससे खेतों में नमी बनी रही और फसलों को फायदा हुआ। घने कोहरे में विजिबिलिटी कम होने की वजह से वाहन चालकों को हैडलाइट जलाकर और धीमी गति से चलने की सलाह दी गई है। प्रशासन ने वाहन चालकों और आम नागरिकों से आग्रह किया है कि कोहरे के समय धीमी गति से वाहन चलाएं और सुरक्षित मार्ग का चयन करें। इसके अतिरिक्त, सुबह और शाम के समय सड़कों पर पैदल चलने वालों को भी सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

सीवर लाइन तो बन गई पर सड़क बनाना भूले

- यह सड़क सिर्फ एक गली नहीं बल्कि रोजाना सैकड़ों लोगों की आवाजाही का मुख्य मार्ग है

बीकानेर, (कासं)। करीब छह माह तक सीवरेज निर्माण कार्य के नाम पर पटेल नगर से बल्लभ गार्डन को जोड़ने वाला मुख्य रास्ता पूरी तरह बंद रहा। लोगों ने धूल, कीचड़ और जाम को सहते हुए सब्र रखा। यह सोचकर कि काम पूरा होते ही राहत मिलेगी। लेकिन अब जब सीवरेज का काम पूरा हो चुका है, तब भी सड़क की हालत ऐसी है कि मानो काम शुरू ही नहीं हुआ हो। गड्ढों, टूटी सतह और उखड़ी मिट्टी से भरा यह मार्ग आज भी चलने लायक नहीं है।

स्थिति इतनी खराब है कि एक फोर व्हीलर तक सुरक्षित नहीं निकल सकता। यह सड़क सिर्फ एक गली नहीं बल्कि रोजाना सैकड़ों लोगों की आवाजाही का मुख्य मार्ग है। इसके बावजूद प्रशासन की आंखों पर पट्टी बंधी हुई है। काम पूरा होने के बाद सड़क को दुरूस्त करना संबंधित विभाग की जिम्मेदारी थी, लेकिन जिम्मेदारी निभाने के बजाय फाइलें ठंडी की जा रही हैं। नतीजा यह है कि लोग जानबूझकर इस रास्ते से बचने लगे हैं और मजबूरी में लम्बा चक्कर काटकर दूसरे रास्तों से आना-जाना कर रहे हैं। यह लापरवाही केवल असुविधा नहीं बल्कि प्रशासनिक उदासीनता का जीता-जागता उदाहरण है। सवाल साफ है क्या प्रशासन जागेगा या यह सड़क यूं ही बदहाली का प्रतीक बनी रहेगी।

आवारा कुत्तों के हमले में हिरण घायल

नोखा, (कासं)। नोखा के काहिरा गांव में आवारा कुत्तों के झुंड ने एक हिरण पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। मौके पर मौजूद पूर्व सरपंच देवीलाल कुदण और राजूराम कुदण ने साहस दिखाते हुए हिरण को कुत्तों से बचाया। उन्होंने तुरंत वन्यजीव प्रेमी बजरंग चिताणा को घटना की सूचना दी।सूचना मिलते ही बजरंग चिताणा डॉक्टर भगवान शर्मा के साथ मौके पर पहुंचे। वहां घायल हिरण का प्राथमिक उपचार किया गया। उपचार के बाद हिरण को वन विभाग की नोखा टीम को सौंप दिया गया ताकि उसका आगे का इलाज और संरक्षण हो सके। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे स्थानीय लोग परेशान हैं। ये आवारा श्वान आये दिन वन्यजीवों पर हमला कर रहे हैं।

गंगानगर चौराहे पर बनेगा ओवरब्रिज, सिटी बसों के रूट से हटेंगे ऑटो

- कीर्ति स्तंभ चौराहे से श्रीगंगानगर रोड पर नीचे से ट्रैफिक जायेगा, इससे यहां लगने वाले जाम से मुक्ति मिल जायेगी

बीकानेर, (कासं)। आने वाले पांच सालों में शहर में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। बशर्ते जो प्लान तैयार हुआ है उस पर पुलिस, प्रशासन और जनप्रतिनिधि रूचि लें।

सिटी मोबिलिटी प्लान तैयार करने के लिए जो टेंडर साल की शुरूआत में दिया गया था। उसकी रिपोर्ट जल्दी ही नगर निगम को मिलने वाली है। कंपनी के लोगों ने कलेक्टर और निगम आयुक्त के सामने अपना प्रजेंटेशन दे दिया है। दरअसल सिटी मोबिलिटी प्लान इसलिए तैयार कराया गया ताकि आगे आने वाले समय में शहर का काम मैनेजमेंट तरीके से हो। अभी तक जहां जरूरत महसूस हो रही वहीं काम हो रहा मगर इसमें आने वाले 20 सालों की जरूरत का प्लान पहले से प्रशासन के पास होगा। अगर उसी हिसाब से काम होता रहा तो पब्लिक को ज्यादा तकलीफ नही होगी मगर उसके लिए जरूरी है कि जो प्लान है उसे हूबहू लागू किया जाए। इसमें असली भूमिका पुलिस, प्रशासन की है।

जनप्रतिनिधियों की भूमिका ये है कि वे इस काम में रोड़ा ना अटकाएं तो। प्लान में सबसे महत्वपूर्ण निर्णय श्रीगंगानगर चौराहे पर ओवरब्रिज की जरूरत महसूस की गई है। जैसलमेर से आने वाले रोड से श्रीगंगानगर चौराहे से ऊपर होते हुए दीनदयाल सर्किल की ओर जायेगा। कीर्ति स्तंभ चौराहे से श्रीगंगानगर रोड पर नीचे से ट्रैफिक जायेगा। इससे यहां लगने वाले जाम से मुक्ति हो जायेगी। दूसरा महत्वपूर्ण निर्णय सिटी बसें चलाने का है मगर उसकी मूल शर्त रखी गई कि जिस रूट पर सिटी बसें चलेंगी उस रूट पर ऑटो चलाने की परमिशन नहीं दी जाए। इसकी दो वजह, एक बसों को खाली रोड चाहिए दूसरा सवारियां भी। वरना सिटी बस योजना फेल हो जायेगी। हल्दीराम प्याऊ से लालबत्ती हटाने का निर्णय हुआ है। क्योंकि एक तो नापासर रोड वहां आती है। दूसरा एक गाड़ी को रोकने पर वहां ट्रैफिक की दिक्कत होती है।

आत्मा को तप की अग्नि में तपाने से निर्मल व पवित्र बनती है : मुनि कमल कुमार

- तप अभिनंदन समारोह आयोजित

बीकानेर, (कासं)। जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा गंगाशहर के तत्वावधान में उग्र विहारी तपोमूर्ति मुनि कमल कुमार स्वामी के सानिध्य में सुश्री आंचल बैद का मासखमण तप अभिनन्दन समारोह आयोजित किया।

इस अवसर पर उग्र विहारी तपोमूर्ति मुनि श्री कमल कुमार स्वामी ने कहा कि जैन आगमों में बताया गया है कि सोने व चांदी की शुद्धता के लिए अग्नि में तपाया जाता है। इसी प्रकार आत्मा को तप की अग्नि में तपाने से निर्मल व पवित्र बनती है। तपस्या का सिद्धांत बहुत व्यापक है, ये उदार दृष्टिकोण से प्रतिपादित हुआ है। तपस्या का सिद्धांत कहा गया है तुम शरीर वाणी और मन इन तीनों का प्रवर्तन करो तो ऐसा करो कि तुम्हारा शोधन हो जाए।

इनका निवर्तन ऐसा करो कि तुम्हारा संवरण हो जाए। मुनि श्री ने कहा कि तपस्या की प्रक्रिया जीवनचर्या का महत्वपूर्ण दर्शन है भोजन, चलना, फिरना, उठाना, बैठना आदि हमारे जीवन की अनिवार्यता है। इंद्रियों से काम लेना भी अनिवार्यता है। हमारे जीवन की यह तीन प्रवृत्तियां बनी हुई है आहार, गति क्रिया और इंद्रिय प्रवृत्ति।

इन तीनों का सम्यक प्रवर्तन करना तपस्या का पहला पाठ है। आहार के द्वारा एक व्यक्ति अहिंसा की दिशा में जा सकता है और आहार से हिंसा और अपराध की दिशा में भी जा सकता है। आहार का विवेक हमें स्वस्थ भी बना देता है। और रूग्ण भी बना देता है। बड़ी तपस्या शरीर के साथ-साथ आत्मा को भी शुद्ध और निर्मल तथा कर्मों से हल्की बनाकर उर्धगामी बन जाती है।

साध्वी प्रमुखा विश्रुतविभा से प्राप्त संदेश का वाचन जैन लूणकरण छाजेड़ ने किया। तेरापंथी सभा गंगाशहर की ओर से पूर्व अध्यक्ष अमरचन्द सोनी ने तप की अनुमोदना की। तेरापंथी सभा गंगाशहर की ओर से तपस्वी बहिन का साहित्य पताका से सम्मान प्रेम बोथरा, भावना छाजेड़, उषा डाकलिया, सुप्रिया राखेचा, जूली बैद ने किया।

जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा ने सुश्री आंचल बैद का मासखमण तप अभिनन्दन समारोह में साहित्य पताका से प्रेम बोथरा, भावना छाजेड़, उषा डाकलिया, सुप्रिया राखेचा, जूली बैद ने सम्मान किया।

अभिनव सामायिक फेस्टिवल मनाया

देशनोक, (कासं)। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद (एआईटीवाईपी) के तत्वावधान में तेरापंथ युवक परिषद देशनोक ने अभिनव सामायिक फेस्टिवल का आयोजन किया। यह आयोजन वर्ष के पहले रविवार को किया गया, जिसका उद्देश्य विश्व शांति और विश्व मैत्री का संदेश देना था।

परिषद अध्यक्ष अरूण छल्लाणी ने बताया कि एआईटीवाईपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन मांडोत के नेतृत्व में देश भर की 368 शाखाओं ने एक साथ, एक ही समय पर इस फेस्टिवल का आयोजन किया। राष्ट्रीय महामंत्री सौरभ पटावरी के अनुसार इस आयोजन में पूरे देश और नेपाल के युवा किशोरों के साथ-साथ श्रावक समाज ने भी सक्रिय भागीदारी की। नयनतारा नाहर ने सामायिक के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जैन धर्म में इसका विशेष स्थान है। सामायिक को समता की साधना और आत्मा को निर्मल करने का एक महत्वपूर्ण उपक्रम माना जाता है।

साइकिल चलाकर दिया फिट इंडिया का संदेश

नमो साइक्लिंग क्लब एवं नगर निगम के तत्वावधान में 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम आयोजित किया।

बीकानेर, (कासं)। भारत सरकार द्वारा संचालित फिट इंडिया मूवमेंट के तहत रविवार को 'संडे ऑन साइकिल' रेस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नमो साइक्लिंग क्लब एवं नगर निगम के तत्वावधान में आयोजित किया गया। नगर निगम उपायुक्त यशपाल आहूजा की अगुवाई में आयोजित कार्यक्रम में जिला खेल अधिकारी सुरेन्द्र हर्ष, सहायक खेल अधिकारी रामकुमार पुरोहित, जिला साइक्लिंग संघ सचिव सुरेन्द्र कूंकणा, अंतराष्ट्रीय खिलाडी दयालाराम, कोच श्रवण कुमार, किशन कुमार पुरोहित, पेमाराम मेहरिया, मुन्नीराम गोदारा, लेखराम, रामप्रसाद, दिलीप कस्वां ने भाग लिया।